हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 177 देहरादून, सोमवार, 02 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

नए साल पर हरिद्वार में स्नान को पहुंचे श्रद्धालु, मंदिरों व पर्यटक स्थलों में भारी 3

मुख्यमंत्री धामी ने बालिकाओं के संग केक काटकर किया नए साल का स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 2 दिसंबर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनियावाला, प्रेमनगर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास का लोकार्पण किया एवं बालिकाओं को गणवेश प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने नव वर्ष के अवसर पर बालिकाओं के साथ केक काटकर उनका उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण किया एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के समस्त राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक विद्यालय स्तर पर सेनेट्री पैड की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए कॉर्पस फण्ड से प्रति विद्यालय 50 हजार रूपये की दर से निधि बनाई जायेगी। सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास बनियावाला एवं गदरपुर का उच्चीकरण किया जायेगा तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं को निःशुल्क आवासीय सुविधा के माध्यम से स्कूली शिक्षा दी जायेगी। चम्पावत में नये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास का निर्माण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को नव वर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि नव वर्ष के अवसर पर निर्धन एवं समाज के वंचित वर्ग की बालिकाओं के लिए यह आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया गया है, इससे इनको रहने के साथ ही पढ़ाई के लिए अच्छा वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 आवासीय छात्रावास हैं, इनकी और संख्या बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही कोई देश शक्तिशाली एवं समृद्धशाली बन सकता है। राज्य में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश आजादी के अमृत महोत्सव में प्रवेश कर गया है। आने वाले 25 साल भारत के

लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमारे नौनिहाल भारत का भविष्य हैं। इन नौनिहालों को अच्छी शिक्षा एवं अनुशासन मिले, इस दिशा में सबको प्रयास करने होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। आज का नया भारत नए संकल्पों को पूरा करने के लिए अग्रसर है। वैश्विक स्तर पर भारत का मान, सम्मान एवं स्वाभिमान बढ़ा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड भी विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ वर्ष 2025 तक उत्तराखंड को देश का "सर्वश्रेष्ठ राज्य" बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" की सिद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शिक्षा महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा बंशीधर तिवारी ने कहा कि समाज के अपवंचित, बेसहारा एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए राज्य में जो 11 आवासीय छात्रावास चलाए जा रहे हैं। इन छात्रावासों के माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन, आवास, गणवेश, शिक्षण सामग्री आदि उपलब्ध कराई जा रही है। इन आवासीय छात्रावासों की कुल क्षमता 750 विद्यार्थियों की है। वर्तमान में 650 विद्यार्थी इनमें पढ़ रहे हैं, जबकि 100 विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने जनपद देहरादून के चार छात्रावासों के किचन निर्माण एवं अन्य सामग्री के लिए 11 लाख रूपये की धनराशि उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी सोनिका का आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून डॉ. मुकुल कुमार सती एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

26 जनवरी को सम्मानित होंगे ऋषभ पंत की जान बचाने वाले रोडवेजकर्मी : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 2 जनवरी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सड़क हादसे में घायल क्रिकेटर ऋषभ पंत से मुलाकात की. सीएम धामी रविवार दोपहर देहरादून के मैक्स अस्पताल पहुंचे और ऋषभ पंत का हाल-चाल जाना. रुड़की के करीब सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद ऋषभ पंत का इलाज चल रहा है. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डॉक्टरों से पूछा कि ऋषभ पंत को क्या मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जा रहा है. इसके अलावा उन्होंने क्रिकेटर की प्रोग्रेस के बारे में भी जाना. रविवार को सीएम धामी ने ऐलान किया कि उत्तराखंड सरकार 26 जनवरी को हरियाणा रोडवेज के उस ड्राइवर और कंडक्टर को सम्मानित करेगी, जिन्होंने क्रिकेटर ऋषभ पंत की

जान बचाई. धामी ने कहा कि अपनी जान जोखिम में डालकर क्रिकेटर की जान बचाकर हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने दूसरों के लिए एक मिसाल कायम की है. पंत शुक्रवार की सुबह दिल्ली से रुड़की जाते हुए अपनी मर्सिडीज कार पर नियंत्रण खो बैठे थे जिससे वह डिवाइडर से टकरा गई थी. इसके बाद कार में आग लग गई और वह धूं-धूं कर जलने लगी. दुर्घटना के समय घटनास्थल के पास मौजूद बस ड्राइवर सुशील कुमार और कंडक्टर परमजीत ने पंत को कार से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी.

मेघालय में मह\सूस किए गए भूकंप के झटके, 3.2 रही तीव्रता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेघालय के नोंगपोह में रविवार रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप के झटके एक जनवरी 2023 को रात करीब 11.28 बजे महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप से किसी जान-माल के हानि की पुष्टि नहीं की है।

भूकंप के आने की मुख्य वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकरना है। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने की वजह से वहां

दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है और हम इसे भूकंप मानते हैं।

क्या आप जानते है फाउंटेन पेन का आविष्कार किसने और कब किया?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के समय में तकनीकी सुविधाओं के चलते लोग कई जरूरी पुरानी बातों को भूलते जा रहे हैं। पुराने समय में लोग कलम और कागज से लिखते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक आई। तो कलम की दवा खत्म। उसी तरह आज के डिजिटल युग में जब से ईमेल और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आए हैं, पोस्ट ऑफिस की सुविधाएं भी कम हो गई हैं। आजकल बच्चे मोबाइल या कंप्यूटर पर ऑनलाइन क्लास से ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं।अगर कुछ लिखने की जरूरत होती है तो वह टैबलेट और कंप्यूटर कीबोर्ड का इस्तेमाल करता है। जिससे कलम का महत्व बहुत कम हो गया है। आज कई विकसित देशों में सभी कॉलेजों के अंदर तकनीकी उपकरणों के जरिए पढ़ाई कराई जाती है। लेकिन भारत में अभी भी कई शहर ऐसे हैं, जहां ज्यादातर छात्र कॉपी पेन और पेंसिल का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि आजकल कुछ लोगों ने फाउंटेन पेन रखना बंद कर दिया है। लेकिन फिर भी कुछ लोगों को फाउंटेन पेन बहुत पसंद होता है।पहले कलम बनाने के लिए बांस का प्रयोग किया जाता था। बांस को काटकर तेज निब वाली कलम तैयार की जाती थी। जिसे इंक बुश के नाम से जाना जाता था। यह पेन अन्य पेन से

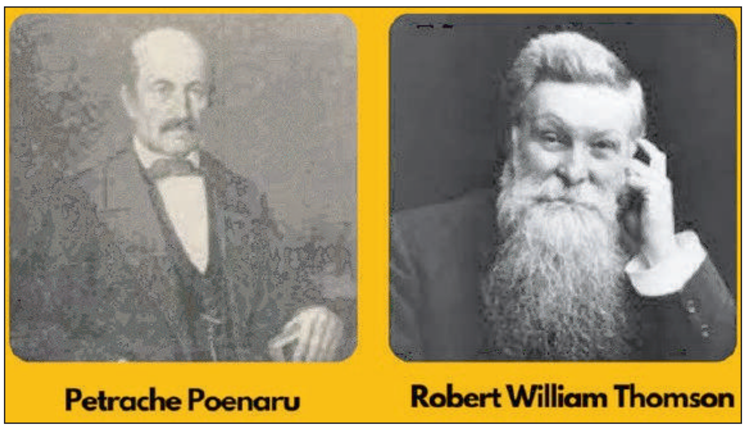

काफी बड़ा था। यह आगे की तरफ पतला और पीछे की तरफ मोटा होता था। इसका पिछला हिस्सा खोखला था। जिसके अंदर स्याही भरी हुई थी। यह एक पारंपरिक कलम है, जो आज भी कई जगहों पर इस्तेमाल की जाती है। फिर फाउंटेन पेन सहित स्याही वाले पेन आए। इन पेन में एक बार इंक भर जाने के बाद यह लंबे समय तक चलती है।

फाउंटेन पेन का आविष्कार किसने किया था?

शुरुआत में जब फाउंटेन पेन बनाया गया तो सबसे ज्यादा बिक्री फाउंटेन पेन की होती थी। लेकिन 1960 के दशक में जैसे ही बॉलपॉइंट पेन तकनीक आई, फाउंटेन पेन पीछे छूट गया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि फाउंटेन पेन पूरी तरह खत्म हो गया है। बस लोगों की सोच थोड़ी बदली है। आज भी अधिकांश लेखक फाउंटेन पेन का प्रयोग करते हैं। क्योंकि यह लेखन में बहुत सुंदरता लाता है।जिस तरह से किसी न किसी चीज का अविष्कार किसी महान वैज्ञानिक ने किया है। उसी तरह, फाउंटेन पेन का आविष्कार सबसे पहले फ्रांसीसी आविष्कारक पेट्राचे पोएनारू (पेट्रेश पोएनारू) और रॉबर्ट विलियम थॉमसन (रॉबर्ट विलियम थॉमसन) ने किया था।लेकिन आज तक का सबसे महत्वपूर्ण पेन का आविष्कार बॉल पॉइंट पेन को माना

जाता है। बॉल पॉइंट पेन का आविष्कार जॉन जे लाउड (जॉन जैकब लाउड) और लेज्लो बिरो ने मिलकर किया था। इसके अलावा इस पेन को बनाने का श्रेय भी जॉन जैकब लाउड को जाता है।जॉन के दिमाग में बॉल प्वाइंट पेन बनाने का विचार तब आया जब वह चमड़े का कोई काम कर रहे थे। लेकिन जब भी उसे चमड़े से बनी किसी चीज पर निशान लगाना होता था। ऐसे में फाउंटेन पेन ठीक से काम नहीं कर रहा था।तो इसके बाद जॉन ने धातु की पतली नोक वाले पेन का अविष्कार किया जिसे बॉल पॉइंट पेन कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि निब के नीचे एक छोटी सी गेंद होती है, जो एक सॉकेट में फंसी होती है। जिसकी सहायता से स्याही कागज या अन्य वस्तुओं पर उतरती है।

क्या आप जानते हैं कि भारत में 9 अलग-अलग नए साल मनाए जाते हैं

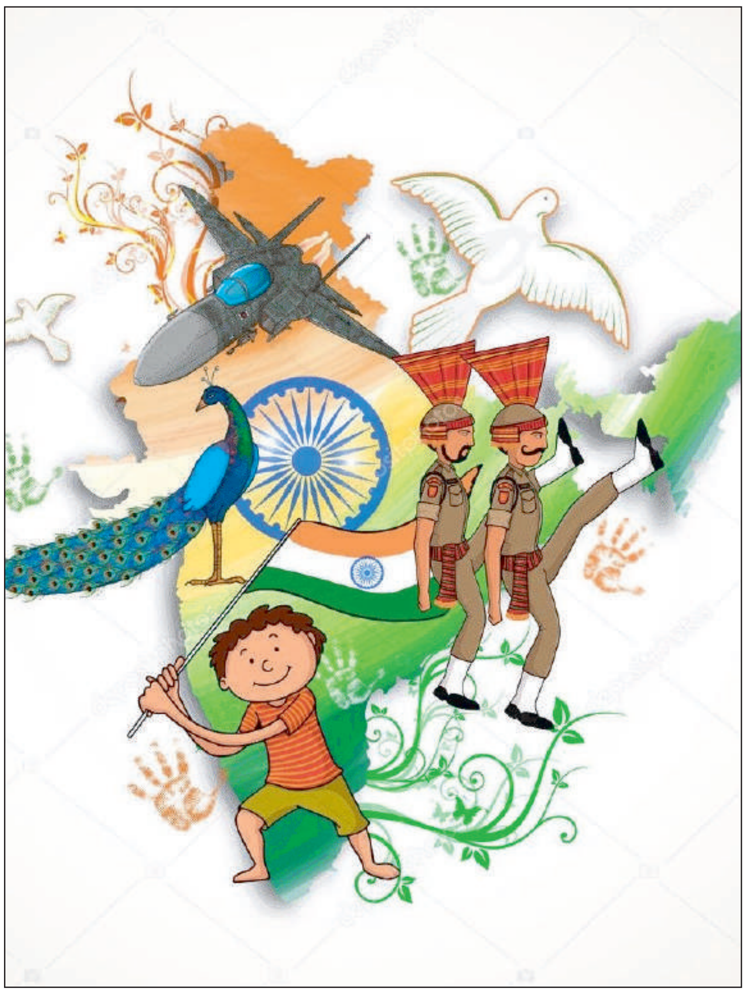

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यह साल समाप्त हो गया है, और हम सभी 2023 का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। हम सभी नए साल की शाम की पार्टी की तैयारी कर रहे हैं और हम में से कुछ ने 2023 के लिए सभी नए साल के संकल्पों को सूचीबद्ध करना शुरू कर दिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक यह ही नहीं मनाया जाने वाला एकमात्र नववर्ष है?भारत की सांस्कृतिक विविधता के लिए, धन्यवाद, देश की जनता सौर और चंद्र कैलेंडर प्रणाली के बाद नए साल का जश्न मनाती है। हिन्दू पंचांग, जो चन्द्रमा की गति पर आधारित है, में नववर्षों की संख्या सबसे अधिक होती है जबकि अन्य धार्मिक नववर्ष इस्लामिक नववर्ष के समान होते हैं।हर क्षेत्र में नए साल का जश्न मनाने की एक अनूठी संस्कृति और परंपराएं होती हैं। प्रमुख रूप से नववर्ष फसलों की कटाई के समय मनाया जाता है। आज, हम देश के विभिन्न हिस्सों से प्रमुख नववर्ष समारोह सूचीबद्ध कर रहे हैं।

1. बैसाखी - पंजाब

बैसाखी पूरे उत्तर भारत में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा फसल उत्सव है। पांच नदियों की भूमि पंजाब में बैसाखी का विशेष स्थान है। वैसाख महीने के पहले दिन की याद में पंजाब का सिख समुदाय भी इस दिन को सिख खालसा के गठन के रूप में मनाता है।

2. जूड़ शीतल - बिहार, झारखंड

मैथिली नव वर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह मैथिली द्वारा बिहार, झारखंड और यहां तक कि नेपाल में भी मनाया जाता है। मैथिली नव वर्ष आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 14 अप्रैल को मनाया जाता है।

3. बोहाग बिहू - उत्तर पूर्वी राज्य

रंगाली बिहू के रूप में भी जाना जाता है, बोहाग बिहू असम में बैसाखी और पुथंडु के दिन भी पड़ता है। अधिक उपहारों के आदान-प्रदान के साथ परिवार और दोस्तों के बीच ढेर सारी मिठाइयों के साथ नई फसल का जश्न मनाया जाता है।

4. गुड़ी पड़वा - महाराष्ट्र

गुड़ी पड़वा चैत्र माह का पहला दिन है और महाराष्ट्र में नए साल के रूप में चिह्नित है। एक 'गुड़ी', रेशम की साड़ी या कपड़े की एक सुंदर व्यवस्था जिसे शीर्ष पर 'लोटा' से चिपकाने के लिए, बांधा जाता है और फिर नीम और आम से बनी मिठाई और माला से सजाया जाता है।

5. उगादि - कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश

उगादि या युगादी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक का नववर्ष उत्सव है। यह चैत्र के हिंदू चंद्र कैलेंडर महीने के पहले दिन इन क्षेत्रों में मनाया जाता है। पारंपरिक मिठाइयाँ और 'पचड़ी' (मीठा शरबत) - कच्चे आम और नीम के पत्तों से बना - उगादि भोजन के साथ परोसा जाता है।

6. जमशेदी नवरोज

नवरोज़ ईरानी नव वर्ष है, जिसे दुनिया भर के कई जातीय भाषाई समूहों द्वारा मनाया जाता है। भारत में पटेटी के अगले दिन पारसी नवरोज मनाते हैं।

7. विशु - केरल

विशु उत्सव केरल की भरपूर भूमि में फसल की शुरुआत का प्रतीक है। यह रोशनी और आतिशबाजी से भरा त्योहार है। दिन की शुरुआत शीशे के सामने फलों, सब्जियों और मौसमी फूलों की कटाई से होती है।

8. पोहेला बैशाख - पश्चिम बंगाल

एक और राज्य जो एक अलग नव वर्ष मनाता है वह पश्चिम बंगाल है। पोइला या पोहेला बोइशाख वैसाख का पहला दिन है, जो बंगाली नव वर्ष है। आप पूरे राज्य में सांस्कृतिक उत्सव देखेंगे, बंगाली खरीदारी और संगीत कार्यक्रमों के साथ पागल हो जाएंगे।

9. इस्लामी नव वर्ष

इस्लामिक नव वर्ष मुहर्रम के पहले दिन से शुरू होता है, जो चंद्र हिजरी कैलेंडर का पहला महीना है, जिसका पालन इस्लाम करता है। यह दिन 622 ईस्वी में मक्का से मदीना में पैगंबर मुहम्मद के प्रवास का भी प्रतीक है, और यात्रा को हिजरा या हिजरी कहा जाता था, और इसलिए इसका नाम 'हिजरी कैलेंडर' पड़ा। नया साल परिवार के साथ भोजन और प्रार्थना के साथ मनाया जाता है।

नए साल पर हरिद्वार में स्नान को पहुंचे श्रद्धालु, मंदिरों व पर्यटक स्थलों में भारी भीड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। नए साल के पहले दिन उत्तराखंड के पर्यटक स्थल और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। वहीं हरिद्वार में हरकी पैड़ी पर भक्त गंगा स्नान के लिए पहुंचे। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर भी रौनक रही। मसूरी, नैनीताल, ऋषिकेश सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ लगी रही। देहरादून के राजपुर रोड स्थित साईं मंदिर में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। नैनीताल के नयना देवी मंदिर में नए साल के पहले दिन पर्यटक व स्थानीय लोग दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं पर्यटकों की भीड़ पहुंचने से हल्द्वानी के काठगोदाम में कई बार लंबा जाम लगने की स्थिति बन गई।

वहीं देहरादून में नव वर्ष को लेकर धार्मिक स्थलों पर भारी जाम लग गया। हाल यह हुआ कि टपकेश्वर में बाबा के दर्शन करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। कैंट कोतवाली पुलिस यातायात व्यवस्था को संभाल नहीं पाई।

स्थिति यह थी कि ओएनजीसी चौक तक जाम लगा रहा। वहीं नववर्ष मनाकर मसूरी से वापस लौट रहे वाहनों के कारण कैंट चौक पर दोनों तरफ से जाम लग गया। जाम खुलवाने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को भिजवाया गया, जिसके बाद जाम खुल पाया।

चंपावत जिले में मां पूर्णागिरी मंदिर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। हल्द्वानी के कालू सिद्ध बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। तीर्थनगरी ऋषिकेश में नव वर्ष के पहले दिन पर्यटक स्थलों पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से पर्यटक पहुंचे। इससे पहले नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पहली बार न्यू एज म्यूजिक फेस्टिवल में विभिन्न देशों के कलाकारों ने योग, ध्यान, आध्यात्म और संगीत के अद्भुत सम्मिश्रण के साथ अपनी प्रस्तुतियां दी। देर रात तक संगीत की धुन पर झूमते हुए श्रोताओं ने नववर्ष का स्वागत किया। पर्यटन स्थल चकराता में थर्टी फर्स्ट व नए साल का जश्न मनाने के लिए पर्यटकों के उमड़ने से रिसार्ट शतप्रतिशत फुल व होटल 60 प्रतिशत बुक हैं। छावनी बाजार में भी रौनक है। हालांकि, बर्फबारी न होने के कारण इस बार पिछले साल के मुकाबले कम पर्यटक आने पर होटल व्यवसायी कुछ निराश दिखाई दिए। पिछले वर्ष बर्फबारी होने की वजह से हजारों की संख्या में पर्यटक चकराता पहुंचे थे, परंतु इस वर्ष पर्यटकों की आमद में कमी देखी गई।

इसकी एक वजह यह भी मानी जा रही है कि पिछले वर्ष दिसंबर में हिमपात हो गया था, जिसे देखने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से पर्यटक आए थे, परंतु इस बार बर्फ न पड़ने से पर्यटक के चकराता पहुंचने में कमी देखी गई, जिस कारण 40 फ़ीसद होटल खाली हैं।

चकराता के आसपास सटे कोरुवा, रामताल गार्डन, टाइगर फाल, ग्वासा पुल, माख्टी में रिसार्ट फुल हैं। पर्यटक भी बाजार से बाहर शांत अकेले में बने रिसार्ट को पसंद कर रहे हैं। पर्यटक छावनी बाजार चकराता आए, लेकिन हमेशा की तरह चकराता में पार्किंग एक बड़ी समस्या रही। पर्यटक के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से अपने वाहन सड़क के किनारे खड़े करने पड़े। छावनी बाजार चकराता में इस बार पिछले साल के मुकाबले पर्यटक कम आने से स्थानीय व्यापारी काफी निराश हैं। क्योंकि व्यापारियों ने नए साल को लेकर पूरी तैयारियां कर रखी थी। नए साल में यह उम्मीद थी कि पर्यटक चकराता अधिक संख्या में आएंगे।

साल के पहले दिन नैनीताल में उमड़े बंपर सैलानी, दिन भर रेंगते रहे वाहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। शहर में साल का पहला दिन पर्यटन कारोबार के लिहाज से बेहतरीन रहा। साल के पहले दिन वीकेंड होने के कारण नैनीताल में भारी संख्या में सैलानी उमड़ पड़े। जिससे पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों में खुशी की लहर है। कारोबारी अनुमान लगा रहे हैं कि थर्टी फर्स्ट की अपेक्षा साल के पहले दिन अधिक भीड़ है।

शनिवार दोपहर बाद सैलानियों की भारी आमद शुरू हो गई थी

बता दें कि थर्टी फर्स्ट को लेकर शनिवार दोपहर बाद सैलानियों की भारी आमद शुरू हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने वाहनों को रूसी और नारायण नगर में पार्क करवाकर पर्यटकों को शटल से शहर तक भेजा। रविवार दोपहर तक पर्यटकों की आमद जारी रही।

भारी संख्या में शहर पहुंचे सैलानियों ने हिमालय दर्शन, स्नो व्यू, बॉटनिकल गार्डन, चिड़ियाघर, वाटरफॉल, केव गार्डन समेत अन्य पर्यटन स्थलों का जमकर सैर सपाटा किया। नैनी झील में नौकायन के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहा।

पंत पार्क, मल्लीताल बड़ा बाजार, तिब्बती बाजार समेत अन्य स्थानों में पर्यटकों ने गर्म कपड़ों की जमकर खरीदारी की। इधर सुबह से ही पर्यटक वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण पार्किंग स्थल फुल हो गए। जिसके बाद शहर में जाम की स्थिति बनी रही।

कारोबार बेहतर होता देख कारोबारियों में भी बेहद उत्साह

पार्किंग की तलाश में पर्यटक वाहन रेंगने को मजबूर है। पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि थर्टी फर्स्ट पर दोपहर बाद ही भीड़ बड़ी थी। मगर रविवार सुबह से ही पर्यटकों की भारी आमद बनी रही। कारोबार बेहतर होता देख कारोबारियों में भी बेहद उत्साह है।

स्मृति मंधाना ICC क्रिकेटर ऑफ द ईयर सम्मान की दौड़ में एकमात्र भारतीय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना क्रिकेटर ऑफ द ईयर सम्मान के लिए आईसीसी द्वारा नामांकित महिलाओं और पुरुषों की श्रेणी में एकमात्र भारतीय हैं। मंधाना इंग्लैंड की नेट साइवर, न्यूजीलैंड की अमेलिया केर और ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी के साथ शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, जिम्बाब्वे के हरफनमौला खिलाड़ी सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी नामांकित हैं। मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए।

स्टोक्स हमवतन जॉनी बेयरस्टो, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के साथ टेस्ट क्रिकेट ऑफ द ईयर के नामांकित लोगों में भी हैं।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, पुरस्कारों के लिए वोटिंग अगले सप्ताह से शुरू होगी, जहां वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों को 2022 के विजेताओं को निर्धारित करने के लिए प्रमुख क्रिकेट मीडिया प्रतिनिधियों वाली एक विशेषज्ञ आईसीसी वोटिंग अकादमी के साथ अपना वोट जमा करने का मौका मिलेगा।मंधाना, जो आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2021 के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी की विजेता हैं, 2022 में प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल करने के लिए एक बार फिर दौड़ में हैं।मंधाना ने दूसरे वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी शानदार फार्म जारी रखी, सभी प्रारूपों में भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं। उसने सफेद गेंद के प्रारूप में अपना अविश्वसनीय कौशल दिखाया और भारत के लिए T20I (594 रन) में सबसे अधिक रन बनाने वाली और ODI (696 रन) में दूसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी थी।

मंधाना ने इस साल दोनों बड़े टूर्नामेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई? महिला क्रिकेट विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेल। बाद में, वह भारत में राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में फाइनल तक जाने और रजत पदक जीतने वाली प्रेरक शक्तियों में से एक थीं। स्टोक्स मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।एशेज और वेस्ट इंडीज के खिलाफ श्रृंखला में अपमानजनक श्रृंखला हारने के बाद इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट में एक दुःस्वप्न जी रहा था। जो रूट ने टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया और बागडोर स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम को सौंप दी गई तब से, स्टोक्स ने कप्तान के रूप में 10 में से नौ टेस्ट जीतकर इंग्लैंड को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। साथ ही, उन्होंने 870 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं और 26 विकेट लिए हैं।ताबीज ऑलराउंडर के पास शानदार सफेद गेंद वाला वर्ष नहीं था। वास्तव में, उन्होंने अन्य प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।टी20ई में, उन्होंने नौ मैचों में 143 रन बनाए और सात विकेट लिए। संख्या महत्वपूर्ण नहीं लग सकती है, लेकिन इनमें से 52 रन तब आए जब इंग्लैंड को विश्व कप फाइनल में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

2023 में गूगल में जॉब कैसे पाएं?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

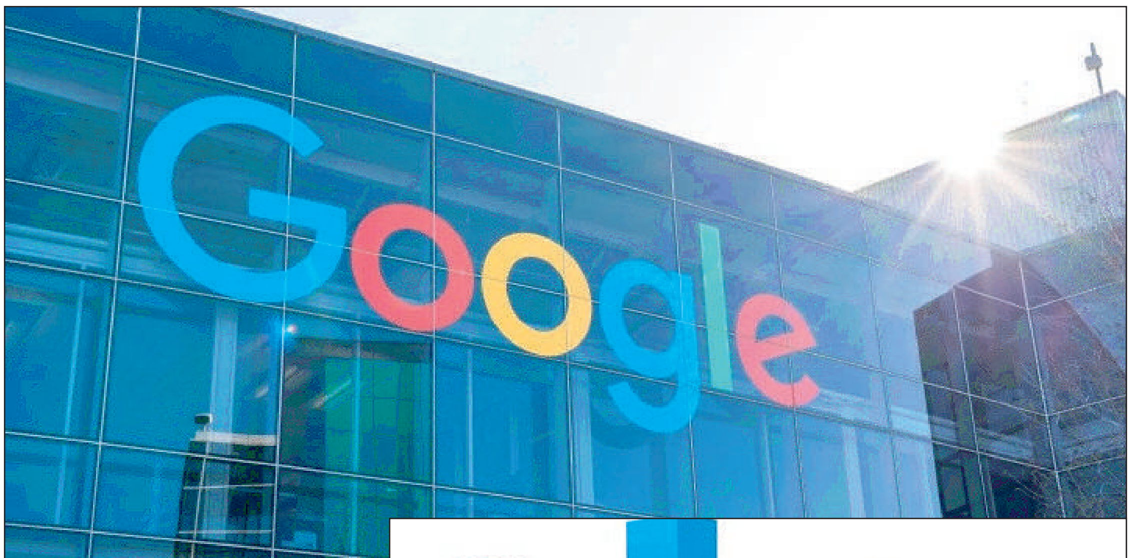

Google LLC (Limited Liability Company) एक MNC कंपनी है, और इसके अलावा गूगल दुनिया का सबसे बड़ा सर्च इंजन भी है। अगर हमें किसी ऑनलाइन किसी भी चीज से सम्बंधित जानकारी की आवश्यकता होती है, तो हम गूगल पर सर्च करके आपने किसी भी प्रश्न का उत्तर देख सकते है। गूगल कंपनी समय समय पर कई तरह की जॉब निकलती है। अगर आप भी गूगल में जॉब करना चाहते है, तो आपके लिए यह लेख बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहाँ पर आपको Google Me Job Kaise Paye इससे सम्बंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने वाली है।

गूगल क्या है?

गूगल कंपनी की स्थापना दो लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने मिलकर की थी, यह दोनों स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में पीएचडी की पढाई करते थे। लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन को "गूगल गाइस" के नाम से भी सम्बोधित किया जाता है। गूगल की स्थापना September 4, 1998 को की गयी थी। गूगल एक Multinational Technology Company है, जो Internet Search, Cloud Computing and Advertising Systems पर आधारित है। गूगल Internet से सम्बंधित कई प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करती है। गूगल को Amazon, Facebook, Apple, and Microsoft के साथ Information Technology की 5 बड़ी कंपनियों में शामिल किया जाता है। गूगल दुनियाभर में अपने लगभग 10 लाख से ज्यादा Data Center चलता है।

भारत में लगभग 500 मिलियन इंटरनेट यूजर है, दुनिया भर के इंटरनेट यूजर की बात करें, तो दुनियाभर में 4.39 बिलियन इंटरनेट यूजर है, और यह संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अगर हम Google Vacancies की बात करें, तो गूगल समय समय पर Vacancies निकलता रहता है। जिंसमे Google Work From Home, Web Solutions Engineer Google, Google Internal Audit Jobs, Google Technical Writer Jobs, Google Account Manager Job के अलावा और भी कई Profile की जॉब होती है। इन Vacancies के लिए हर साल 1 मिलियन से ज्यादा Application भरे जाते है, लेकिन इनमे से सिर्फ 6000 – 7000 हजार लोगो को ही गूगल में जॉब मिल पाती है।गूगल में नौकरी करने का सबसे बड़ा फायदा यह है, की यहाँ पर आपको बहुत सारी शानदार सुविधाएँ मिलती है। आपके साथ साथ गूगल कंपनी आपके परिवार के लिए भी कुछ सुविधाएँ प्रदान करती है। जिसकी वजह से लोग गूगल में जॉब करना चाहते है।

गूगल में जॉब के लिए क्वालिफिकेशन

1 Google में Job के लिए Apply करने से पहले आपको क्वालिफिकेशन के बारे में जरूर जान लेना चाहिए, जिससे की आपको किसी भी तरह की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े –2 गूगल एक MNC कंपनी है, यहाँ पर काम करने के लिए आपकी अंग्रेजी बहुत अच्छी होनी चाहिए।3 आपको Google में Job करने के लिए Computer की बहुत अच्छी तरह से जानकारी होनी चाहिए।4 आपकी गणित, और तार्किक क्षमता की नॉलेज भी अच्छी होनी चाहिए।5 गूगल में जॉब करने के लिए आपकी Comunication Skill भी अच्छी होनी चाहिए।6 अगर हम बात करें, की गूगल में जॉब करने के लिए, कितनी क्वालिफिकेशन आवश्यकता होती है, तो आपको बता दें, ऊपर बताई गयी सभी बातो के अलावा क्वालिफिकेशन आपकी जॉब प्रोफाइल पर आधारित करता है।7 अगर हम गूगल की Web Solutions Engineer की Qualificaton की बात करें, तो इसमें आपको Bachelor's Degree in Computer Science, Electrical Engineering, Math, का होना आवश्यक है। इसी तरह से अन्य Job Profile की भी अलग अलग Qualification हो सकती है।

गूगल में जॉब कैसे पाएं?

1 गूगल समय समय पर कई तरह की Vacancies निकलता है। अगर आप Google में Job करना चाहते है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले एक अच्छा सा रिज्यूमे बनाना चाहिए।2 आपके रिज्यूमे में आपकी योग्यता, अनुभव, स्किल्स, जैसी सभी महत्वपूर्ण जानकारी लिखी होनी चाहिए।3 गूगल कई बड़ी University के Campus से भी Placement द्वारा जॉब प्रदान कराता है।5 जब आपके पास आपका रिज्यूमे कम्पलीट हो जाए, तो इसके बाद आपको https://careers.google.com पर जाकर अपनी प्रोफाइल के अनुसार अलग अलग जगह पर जॉब के लिए अप्लाई कर सकते है।6 Google Job Website पर आने के बाद आपको सबसे पहले आपने रिज्यूमे अपलोड करना है।7 रिज्यूमे अपलोड करने के बाद, आपको यहाँ पर अपनी प्रोफाइल से सम्बंधित सभी जानकारियां देनी है, आप किस प्रोफाइल के लिए आवेदन करना चाहते है, आपकी 8 Qualification क्या है, आप Google की किस Branch में जॉब करना चाहते है।सभी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद आपके द्वारा भरे गए Form को Review किया जाएगा।9 इसके बाद आपके रिज्यूमे के आधार पर यह तय किया जाएगा, की आपको Interview के लिए बुलाया जाए या नहीं। अगर आपका रिज्यूमे प्रभावशाली है, तो हो सकता है, आपको इंटरव्यू के लिए बुला लिया जाए।

कैल्शियम, विटामिन-D, जीरोडोल... नकली दवाओं पर केंद्रीय एजेंसी ने जारी किया एलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 जनवरी , भारत के शीर्ष ड्रग नियंत्रक ने नकली दवाओं का पता लगाने के लिए राज्य ड्रग इंस्पेक्टरों को अलर्ट जारी किया है। न्यूज18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल प्रदेश की एक कंपनी में नकली दवाएं बनाए जाने की सूचना मिली है। इसमें विटामिन डी टैबलेट, कैल्शियम टैबलेट, दर्द निवारक जीरोडोल, एंटी-एलर्जिक मोंटेर, कार्डियो ड्रग Atorva, स्टैटिन ड्रग Roseday आदि शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्य ड्रग्स नियंत्रक की ओर से दी गई शिकायत पर कार्रवाई करते हुए भारत के औषधि महानियंत्रक DGCA वीजी सोमानी ने देशभर के ड्रग इंस्पेक्टरों को एक लेटर भेजा है। इसमें सतर्कता बढ़ाने के साथ ही लेटर में बताई गई दवाओं पर नजर रखने को कहा गया है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब गांबिया और उज्बेकिस्तान में भारत में बनी दवाओं से मौत के आरोप लगे हैं। भारतीय दवा बनाने वाली कंपनियां जांच रेडार पर आ गई हैं। सोमानी ने लेटर में लिखा है, 'एक स्टेट इंस्पेक्टर ने बद्दी और आगरा में छापेमारी के दौरान बरामद की गई नकली दवाओं और अन्य सामग्रियों के बारे में जानकारी दी है।'लेटर में कहा गया है कि सूचित किया गया है कि बरामद की गई दवाएं दूसरी चर्चित फामा कंपनियों के ब्रांड की हैं और बिना किसी अनुमति, लाइसेंस के सोलन जिले के बद्दी में मोहित बंसल की Trizal Formulations के फैक्ट्री परिसर में बनाई गईं। आगे कहा गया है कि नकली दवाओं का स्टॉक बाजार में पहले ही बेचा जा चुका है। इसकी होलसेल फर्म M/s MH Pharma कोतवाली, आगरा (यूपी) में है।नवंबर के आखिरी हफ्ते में ऐसी खबरें आई थीं कि हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में नकली दवा बनाने वालों का गिरोह पकड़ा गया है। आरोपी की पहचान आगरा निवासी मोहित बंसल के रूप में हुई थी। वह नामी कंपनियों के नाम से दवा बनाकर बेचता था। पता चला था कि आगरा में उसका मेडिकल स्टोर भी है, जहां नकली दवाओं को बेचा जाता था। उस समय यूपी नंबर की क्रेटा कार में नकली दवाइयों की खेप पकड़ी गई थी। इसमें हार्ट, गले में एलर्जी की दवा और जीरोडोल समेत कई नकली दवाएं मिली थीं।

एसएचओ की पत्नी ने अपना दूध पिला कर बच्चे की जान बचाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 जनवरी , उत्तर प्रदेश से एक अच्छी और बुरी खबर सामने आई है, बुरी खबर यह है कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक नवजात बच्ची कड़कड़ाती ठण्ड में सड़क के किनारे झाड़ियों कोई फेंक कर चले गया, जिसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई। बच्ची नवजात थी, और कड़ाके की ठंड होने के कारण बच्चे की स्थिति बेहद खराब हो चुकी थी। पुलिस की एक टीम बच्ची को लेकर पुलिस स्टेशन पहुंची, बच्ची लगातार रो रही थी, बाद में पुलिस को पता चला की बच्ची भूखी थी। अब अच्छी खबर यह की एसएचओ की पत्नी ने अपना दूध पिला कर बच्चे की जान बचाई।

अभी जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसके मुताबिक नवजात बच्ची इतनी छोटी थी कि वह मां के दूध के अलावा और कुछ खा और पी नहीं सकती थी। जब यह जानकारी SHO की पत्नी को मिली, तो ज्योति सिंह ने फैसला लिया की वह अपना दूध बच्ची को पिलाएगी। इसके बाद बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब बच्ची की स्थिति स्थिर बनी हुई है। सोशल मीडिया पर SHO की पत्नी ज्योति सिंह की खूब चर्चा हो रही है।

कुमार विश्वास ने क्या कुछ कहा ?

कुमार विश्वास ने इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दिल की एमोजी बनाकर लिखा की मां। एक यूजर ने लिखा कि एक मां ने बच्ची को इस तरह सड़क के किनारे फेंक दिया और दूसरी मां ने उसी बच्ची को दूध पिलाकर बचा लिया।@SRamverma यूजर ने लिखा कि मां तो आखिर मां होती है, उसकी नज़र में न कोई जाति न कोई रंग भेद होता है ! वो तो बस अपना ममत्व लुटाती है। इसी प्रकार हजारों लोगों ने उनकी तारीफ करते हुए अपनी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

SHO की पत्नी ज्योति सिंह ने क्या कहा ?

SHO की पत्नी ज्योति सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा की "मुझे समझ नहीं आ रहा है कि कोई एक बच्चे के साथ ऐसा कैसे कर सकता है? बच्ची को तड़पता देखकर मुझे बहुत बुरा लगा और रोने का मन हो रहा था। मैं खड़े रहकर उसे भूख से रोते हुए नहीं देख सकती थी तो मैंने उसे स्तनपान कराने का फैसला किया। मैं लोगों से कहना चाहती हूं कि अगर किसी को अपने बच्चों की देखभाल करने में कोई समस्या है, तो उन्हें उन्हें अनाथालय या एनजीओ जैसी सुरक्षित जगह पर ले जाना चाहिए। जहां उनका पालन-पोषण हो सके।" इस खबर से जहाँ लोग इस ममतामयी माँ की जमकर सराहना कर रहे हैं तो वहीं निर्दयी माँ को सीख लेने की सलाह दे रहे हैं।

तीन माह बाद एक संक्रमित की मौत, हाईकोर्ट में बिना मास्क के प्रवेश पर प्रतिबंध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में लगभग तीन महीने बाद एक कोरोना संक्रमित मरीज की मौत का मामला सामने आया है। नए साल में कोरोना मरीज की मौत का पहला मामला है। इसके अलावा देहरादून और नैनीताल जिले में तीन नए संक्रमित मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 414 सैंपलों की जांच रिपोर्ट आई। इसमें तीन लोग संक्रमित मिले। राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून में एक संक्रमित मरीज की मौत हो गई। इससे पहले 26 सितंबर 2022 को एक मरीज की मौत हुई थी।

प्रदेश में एक जनवरी से 31 दिसंबर 2022 तक कुल 334 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौतें हुई है। वर्तमान में प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 34 है। इसमें अधिकतर संक्रमित होम आईसोलेशन में हैं। सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण दर 0.72 प्रतिशत और रिकवरी दर 96.01 प्रतिशत दर्ज की गई है।

हाईकोर्ट समेत प्रदेश की अन्य अदालतों में मास्क के बिना प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। प्रदेश सरकार की ओर से जारी कोविड गाइडलाइन को हाईकोर्ट सहित प्रदेश की अदालतों में भी प्रभावी कर दिया गया है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस बारे में पूर्व में ही आदेश जारी कर दिए थे।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती शर्मा की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार हाईकोर्ट सहित जिला, तहसील अदालतों में न्यायिक अधिकारी कर्मचारी, अधिवक्ता, वादकारी सहित अन्य कोर्ट परिसर व कोर्ट रूम में मास्क पहन कर आएंगे।

शारीरिक दूरी का पूरी तरह अनुपालन किया जाएगा। बिना मास्क के कोर्ट परिसर में प्रवेश प्रतिबंध रहेगा। कोर्ट रूम और परिसर को नियमित रूप से सेनिटाइज किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि न्यायालय परिसर में न्यायालय कक्ष में भीड़भाड़ ना हो।

बिरयानी बनी देश की पहली पसंद, 2022 में हर मिनट 137 बिरयानी का ऑर्डर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 जनवरी , ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में लोग बिरयानी को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं. यूजर्स ऑनलाइन फूड ऐप के जरिए सबसे ज्यादा ऑर्डर बिरयानी का देते हैं. खाने को लेकर भारतीयों की पसंद से जुड़ी रिपोर्ट में कई दिलचस्प फैक्ट्स सामने आए हैं...

जब भारत में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की बात आती है तो खाने से बेहतर कुछ नहीं है. अगर कोई एक डिश है जिसे भारतीय सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, तो वो बिरयानी है. भारत के कई इलाकों द्वारा दावा किया जाता है कि बिरयानी (Biryani) उनके यहां विकसित हुई है. यह डिश आम दिनों से लेकर स्पेशल इवेंट में सबकी जरूरत पूरी करती है. खास बात ये है कि ऑनलाइन फूड ऑर्डर और डिलीवरी प्लेटफॉर्म Swiggy के सालाना सर्वे के अनुसार, भारत ने वर्ष 2022 में सबसे ज्यादा ऑनलाइन ऑर्डर बिरयानी का दिया है.

'How India Swiggy'd 2022' रिपोर्ट ने एक बार फिर से बिरयानी की बादशाहत पर मोहर लगाई है. बिरयानी स्विगी पर लगातार 7वें साल सबसे ज्यादा ऑर्डर की जाने वाली डिश है. 2022 में हर मिनट 137 बिरयानी का ऑर्डर दिया गया, यानी भारतीयों ने हर सेकंड बिरयानी के 2.28 ऑर्डर दिए हैं. ये तो हुई बिरयानी की बात, अब हम आगे देखते हैं कि वे कौनसी डिश हैं, जिन्होंने हिंदुस्तानियों को अपना दीवाना बनाया है.

दूसरे नंबर पर ये डिश

2022 में स्विगी पर दूसरी सबसे ज्यादा ऑर्डर की जाने वाली डिश मसाला डोसा है. आपको बता दें कि यह कोई नई बात नहीं है. यह चलन पिछले कई सालों से चल रहा है. बिरयानी भारतीयों को एक करती है तो मसाला डोसा की खातिर भारतीय एक हो जाते हैं. साउथ इंडिया की स्वादिष्ट डिश मसाला डोसा का दीवानापन उत्तर भारत में भी नजर आता है. ऑनलाइन ऑर्डर के मामले में यह डिश उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की टॉप रैंकिंग डिश है.

छोटे शहरों में बढ़ी ललक

Media से बात करते हुए स्विगी के सीईओ-फूड मार्केटप्लेस, रोहित कपूर ने कहा कि बड़े मेट्रो और छोटे टियर-2 और 3 शहरों में टेस्टी डिश के ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. जापानी कुजीन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं पश्चिम बंगाल के छोटे शहर में एक सुशी रेस्टोरेंट देखकर हैरान था, इसका मूल रूप से मतलब है, टेस्ट और प्रीफ्रेंस को लेकर गैर-महानगरों के लोग अपनी बढ़ती लालसा के पूरा किए जाने का इंतजार कर रहे हैं."

सीमा को सलाम, 42 दिन में 21 लापता बच्चों को ढूंढ निकाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , हेड कॉन्स्टेबल सीमा ने पिछले 42 दिनों में 21 लापता बच्चों को ढूंढ निकाला। पिछले डेढ़ महीने में उनका ज्यादातर वक्त बस, मेट्रो, रेलवे स्टेशनों, मंदिर, मस्जिद के आस-पास खाक छानते गुजरा हैं। इस साल अक्टूबर तक दिल्ली पुलिस की हेड कॉन्स्टेबल सीमा मेट्रो यूनिट के कोई अन्य पुलिसवाले की ही तरह थीं। लेकिन पिछले 42 दिनों में उन्होंने कुछ ऐसा कर दिखाया जिस पर हर पुलिसवाले को नाज होगा। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट में तैनात हेड कॉन्स्टेबल सीमा ने पिछले 42 दिनों में एक-दो या 5-10 नहीं बल्कि 21 लापता बच्चों का पता लगाया और उनके निराश मां-बाप के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। इनमें से कई बच्चे महीनों से लापता थे तो कुछ एक दिन पहले ही गायब हुए थे।पिछले डेढ़ महीने में सीमा का ज्यादातर वक्त यूपी और हरियाणा में छापा मारते गुजरा है। इस दौरान वह लापता बच्चों के लिए बनी वेबसाइट ZIPNET को खंगालती रहीं और हर संभावित जगहों पर गायब हुए मासूमों की तलाश करती रहीं।

करीने से प्लानिंग, ट्रैकिंग और ट्रेसिंग

दिल्ली के जनकपुरी मेट्रो स्टेशन पर तैनात सीमा ने लापता बच्चों को ढूंढने के लिए कड़ी मेहनत की। एक सीनियर पुलिस अफसर ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि वह बड़े ही करीने से प्लानिंग करती है और फिर उसे जमीन पर उतारती है। उन्होंने बताया, 'वह बच्चा चोरी करने वाले गैंग या इस तरह के अपराधियों के काम करने के तरीके को खूब स्टडी करती थी। अपराधों के बीच कोई पैटर्न है क्या, इसकी पहचान करती थी। फिर सूचनाएं जुटाती थी, मूवमेंट को ट्रैक करती थी और सुराग के आधार पर आगे बढ़ती थी।'

लोकल एरिया में पूछताछ और टेक्निकल सर्विलांस से मिलते हैं सुराग

सीमा सबसे पहले बच्चों के घर के आस-पास और स्थानीय बस, रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर पूछताछ से जांच की शुरुआत करती हैं। इसके बाद वह टेक्निकल सर्विलांस के जरिए अहम सुराग हासिल करती हैं। एक ऑफिसर ने बताया, 'वह दिल्ली और दूसरे राज्यों में बच्चों को ट्रेस करती है और उन्हें संबंधित पुलिस स्टेशन के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स को सौंप देती है। लापता लोगों की खोज के लिए बने पुलिस दस्ते को भी सूचना दी जाती है और वैरिफिकेशन के बाद बच्चों को उनके पैरेंट्स के हवाले कर दिया जाता है।'

जब ब्लैंक कॉल्स से अपहरण करने वालों तक पहुंची

एक केस में उन्होंने मुंडका से लापता 13 साल की बच्ची को उसके परिजनों से मिलाया। सीमा ने सबसे पहले लड़की के मां-बाप को आ रहे कुछ ब्लैंक कॉल्स को ट्रैक किया। पता चला कि ये नंबर उस लड़के के भाई का था जिसने लड़की को अगवा किया था। दरअसल, लड़की अपने मां-बाप के पास इसलिए फोन मिलाती थी कि उनकी आवाज सुन सके लेकिन वह डर के मारे कुछ बोलती नहीं थी। जब नंबर को ट्रैक किया गया तो वह यूपी के बरेली का निकला और पुलिस बच्ची को सही सलामत बरामद करने में कामयाब हुई।

दर्जनों मंदिर और मस्जिद की खाक छान 24 घंटे में बच्चे को किया बरामद

एक 10 साल के लड़के को ढूढ़ने के लिए सीमा ने दर्जनों मंदिर और मस्जिद की खाक छाने।

आखिरकार 24 घंटे के भीतर 26 दिसंबर को उसे नजफगढ़ के साई बाबा मंदिर के नजदीक से सकुशल बरामद कर लिया। दो साल पहले दिसंबर 2020 में दिल्ली पुलिस के तत्कालीन कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने लापता बच्चों को ढूंढने पर पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने का फैसला किया। अच्छा काम करने वालों को इनाम के साथ-साथ आउट ऑफ टर्न प्रमोशन का भी ऐलान किया। तब से मेट्रो यूनिट लापता बच्चों को ढूंढने का काम कर रही है। तब से अब तक यूनिट ने 553 लापता बच्चों को ढूंढकर उनके परिजनों के हवाले किया। इनमें से 270 को इसी साल रिकवर किया गया।

संपादकीय

नए उजालों, लक्ष्यों का साल

नववर्ष 2023 की पदचाप सुनाई देने लगी है। वह हमारी दहलीज़ पर खड़ा है। नया साल नया सवेरा, नया उजाला, नई उम्मीदें, नए लक्ष्य और नई उपलब्धियां लेकर आए, हम ऐसी मंगल कामना करते हैं। भारत और विश्व के संदर्भ में नए साल के कई महत्त्वपूर्ण मायने हैं। भारत इस पूरे साल के दौरान जी-20 देशों के समूह-संगठन का आतिथ्य करेगा। भारत को गुजरते साल में जी-20 की अध्यक्षता पहली बार सौंपी गई। नए साल में अमरीका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी से लेकर इंडोनेशिया और ब्राजील तक विकसित और विकासशील देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन में एक ही मंच पर एकजुट होंगे। इन देशों के अधिकारी-प्रतिनिधि विमर्श कर एजेंडा तय करेंगे कि आने वाले समय में 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' सूत्रवाक्य के संदर्भ में जी-20 देशों की कितनी सार्थक भूमिका हो सकती है। विश्व शांति, अर्थव्यवस्था, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, खाद्य, ऊर्जा सरीखे विषयों पर एक साझा सोच बनाने के प्रयास किए जाएंगे। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि 85 फीसदी जीडीपी इन्हीं देशों की है, करीब 75 फीसदी कारोबार यही देश करते हैं और करीब 67 फीसदी आबादी इन्हीं देशों में बसती है। एक तरह से यही देश दुनिया हैं। भारत ऐसे सक्षम देशों के मंच की अध्यक्षता करेगा और बुनियादी एजेंडा भी शेष सदस्य देशों के सामने प्रस्तुत करेगा, यह उपलब्धि और सम्मान सामान्य नहीं है। 2023 में भारत की जीडीपी 3 ट्रिलियन डॉलर को पार करने की स्थिति में होगी। भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी क्रय-शक्ति वाला देश है और हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो पहले ही बन चुके हैं। नए साल में भारत करीब 143 करोड़ की आबादी वाला देश बनकर प्रथम स्थान पर होगा। चीन दूसरे स्थान पर पिछड़ जाएगा। इसे सकारात्मक और सर्वाधिक युवा कार्यबल वाले देश के तौर पर लें अथवा इतनी आबादी हमारे संसाधनों और भू-क्षेत्रफल पर भारी पड़ेगी, इस सवाल पर चिंतन जारी है, क्योंकि भारत की तुलना में जापान और चीन 'बूढ़े देश' हैं। युवा आबादी के कारण भारत दुनिया का सबसे बड़ा सक्रिय बाज़ार भी माना जाता है। आने वाले साल में हम अंतरिक्ष में नई उड़ानें भरेंगे और नई इबारतें भी लिखेंगे। मंगल और चंद्रमा पर जाने के हमारे मिशन कितने कामयाब होंगे, यह सवाल भी हम समय और वैज्ञानिकों के प्रयासों पर छोड़ते हैं। वैज्ञानिक अपने प्रयोगों में रात-दिन जुटे हैं।

बीरोंखाल में नशे में धुत होकर मस्ती करते मिले तीन डॉक्टर, तीनों सस्पेंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के बीरोंखाल में शुभम सर्वम मेडिकल प्रोजेक्ट कंपनी की ओर से पीपीपी मोड पर संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तीन चिकित्सकों के नशे में धुत होकर बीरोंखाल बाजार में मस्ती करने का मामला प्रकाश में आया है। लोगों की शिकायत पर अस्पताल प्रबंधन ने तीनों चिकित्सकों को निलंबित कर दिया है।

बीरोंखाल के पूर्व प्रमुख दर्शन सिंह रिंगोड़ा ने बताया कि शनिवार को बीरोंखाल के मंदिर में काली की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम व भंडारा चल रहा था। वहां पर तीन व्यक्ति नशे की हालत में धुत होकर मस्ती कर रहे थे। उनकी हालत ऐसी थी कि वे ठीक ढंग से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। जानकारी लेने पर पता चला कि ये तीनों पीपीपी मोड पर संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरोंखाल में कार्यरत चिकित्सक हैं। चिकित्सकों को इस प्रकार नशे में देखकर लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल के प्रबंधक को बुलाकर उन्हें चिकित्सकों को सौंप दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरोंखाल के प्रोजेक्ट मैनेजर शैलाब चौबे ने तीनों चिकित्सकों का व्यवहार निंदनीय बताया। कहा कि दोबारा ऐसी घटना न हो, इसके लिए तीनों चिकित्सकों को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

चार फीट कम हुआ नैनीझील का जल स्तर, कम बारिश और ओलावृष्टि न होना बनी वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। इस वर्ष कम बारिश और ओलावृष्टि न होने से नैनीझील के जलस्तर पर भी प्रतिकूल असर दिखाई दे रहा है। 2022 वर्ष के अंतिम दिन यानी 31 दिसंबर को नैनीझील का जलस्तर अपने उच्चतम मानक से करीब चार फीट नीचे है। बीते वर्ष 31 दिसंबर को नौ फीट सात इंच के जलस्तर के सापेक्ष डेढ़ फीट कम है।

नैनीझील यहां आने वाले सैलानियों के आकर्षण का केंद्र रहती है। बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी इसके मुख्य स्रोत हैं। इसके अलावा इनसे उत्पन्न प्राकृतिक जल स्रोतों से ही झील को पानी मिलता है। यूं तो झील की गहराई करीब 26 मीटर हैं लेकिन ब्रिटिश शासन के दौर से यहां झील के निकासी द्वार के पास लगे 12 फीट के मानक को इसका उच्चतम स्तर माना गया है। 12 फीट की तलहटी को शून्य स्तर माना जाता है, क्योंकि इसके बाद निकासी स्वयं समाप्त हो जाती है।

नैनीझील के भूमिगत जल स्रोत में लगे ट्यूबवेल के माध्यम से नगर को पानी की आपूर्ति की जाती है। नगर की 8 एमएलडी की जरूरत पीक सीजन में 16 एमएलडी या कुछ अधिक पहुंच जाती है। नगर को जलापूर्ति के बाद नैनीझील के जलस्तर में प्रतिदिन आधा इंच, जबकि ग्रीष्म सीजन में एक से डेढ़ इंच की कमी हो जाती है।

31 दिसंबर 2022 को झील का जलस्तर बीते वर्ष के मुकाबले डेढ़ फीट नीचे है जबकि 12 फीट के उच्च स्तर से तीन फीट 11 इंच नीचे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में भी लागू होगा विशेष अवकाश, जिलाधिकारियों को निर्देश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

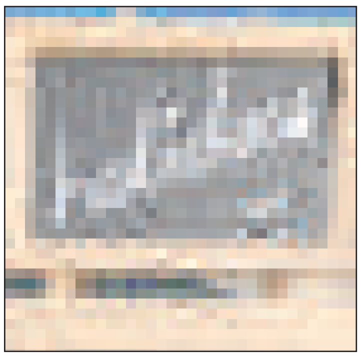

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम को देखते हुए जिलाधिकारियों की ओर से स्कूलों में विशेष अवकाश दिए जाने के प्रावधान में अब आंगनबाड़ी केंद्र भी शामिल होंगे। इस संबंध में शासन की ओर से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार के इस फैसले से 20 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राहत मिलेगी।

जिलाधिकारियों की ओर से अत्यधिक वर्षा की आशंका, बर्फबारी या किसी आपदा की स्थिति में स्कूलों में अवकाश घोषित किया जाता है। इसका लाभ आंगनबाड़ी केंद्रों को नहीं मिल पाता, जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष के बच्चे जाते हैं।

अब सचिव व निदेशक महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास हरीश चंद सेमवाल ने निर्देश जारी कर कहा कि अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालयों, विभागीय भवनों या सार्वजनिक भवनों में संचालित हो रहे हैं। भविष्य में मौसम संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए स्कूलों की तरह आंगनबाड़ी केंद्रों में भी अवकाश का आदेश एक साथ पारित किया जाए।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी

कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com

RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

घने कोहरे के चलते एक फ्लाइट लेट तो दूसरी डायवर्ट, अन्य हवाई सेवाओं पर भी पड़ सकता है असर

डोईवाला। रविवार को घने कोहरे का असर देहरादून एयरपोर्ट पर भी देखा गया। जिस कारण देहरादून एयरपोर्ट पर एक फ्लाइट जहां लगभग एक घंटे से अधिक देरी से पहुंची, तो वहीं दूसरी फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार एयर इंडिया कि दिल्ली से सुबह 7:20 पर आने वाली फ्लाइट 8:40 पर एयरपोर्ट पर पहुंची। जबकि इंडिगो की दिल्ली से आने वाली फ्लाइट 8:45 पर एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी और उसको डायवर्ट कर वापस भेजा गया है। वहीं क्षेत्र पर पड़ रहे घने कोहरे के असर अन्य हवाई सेवाओं पर भी पड़ सकता है।

ठंड से कांपे लोग, अधिकतम तापमान सामान्य से 7.4 डिग्री कम

वहीं रुड़की में शनिवार को कोल्ड डे कंडीशन (अत्यधिक ठंड) की स्थिति बनी रही। दिन का तापमान सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। शुक्रवार की तुलना में शनिवार को अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस से लुढ़ककर 12 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जबकि न्यूनतम में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस से गिरकर 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। ऐसे में लोग ठंड से दिनभर कंपकंपाते रहे।

कड़ाके की ठंड ने शहरवासियों का हाल बेहाल कर दिया। शनिवार का दिन भी बेहद सर्द बना रहा। अलसुबह से लेकर दिनभर वातावरण में कोहरा छाया रहा। वहीं आसमान में बादलों ने डेरा डाले रखा।

दिनभर चलने वाली शीतलहर ने भी नागरिकों की कंपकंपी छुड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं सुबह कोहरे के कारण दृश्यता कम होने की वजह से चौपहिया एवं दोपहिया वाहन चालक गाड़ी की हेड लाइट जलाकर यात्रा करते हुए नजर आए।

सड़कों पर चलने वाले लोगों को हाड़ कंपा देने वाली ठंड के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं दिन ढलने पर मौसम में ठंड का असर और बढ़ गया। ठंड से बचाव के लिए लोग सिर से लेकर पांव तक गर्म कपड़ों में पैक रहे। जबकि घरों और सड़कों पर लोगों ने अलाव जलाकर हाथ सेके।

उधर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग में संचालित ग्रामीण कृषि-मौसम सेवा परियोजना के तकनीकी अधिकारी डा. अरविन्द श्रीवास्तव ने बताया कि नए साल का पहला दिन सर्द रहेगा। उन्होंने बताया कि हरिद्वार जिले में चार जनवरी तक मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है।

नए साल में भाजपा बनाएगी 15 नए सांगठनिक मंडल, निकाय चुनाव के लिए कमर कसेगी पार्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा नए साल में सांगठनिक नेटवर्क को विस्तार देने के लिए 15 नए मंडलों का गठन करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने नए मंडलों के गठन का एलान किया। उन्होंने कहा कि संगठन को अधिक मजबूत और संरचनात्मक दृष्टि से अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से नए जिलों के गठन के बाद अब मंडल बनाए जाएंगे।

शहरों और कस्बों के साथ ही भाजपा अब गांवों में सांगठनिक नेटवर्क पर फोकस करेगी। 11500 से अधिक बूथों पर पदाधिकारियों और समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करने के लिए पार्टी जल्द अभियान छेड़ेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी पांचों लोकसभा क्षेत्रों में प्रवास कार्यक्रमों के माध्यम से हर बूथों पर पहुंच बनाने के साथ पन्ना प्रमुखों के सम्मेलन कर लेना चाहती है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि 19 जिलों में मंडलों की कुल संख्या 267 हो जाएगी। उनके अनुसार नए मंडलों में रुद्रप्रयाग में खांकरा टिहरी में रजाखेत, सकलाना, देहरादून ग्रामीण में क्वान्सी ऋषिकेश में रायवाला, पौड़ी में अगरोडा, कोटद्वार में सुखरो पिथौरागढ़ में गौरंग देश, डीडीहाट नगर, रानीखेत में बिन्सर महादेव चंपावत में मंच तामली व रीठा, नैनीताल में लामाचौड़ व मुखानी, काशीपुर में काशीपुर उत्तरी के नाम से नए मंडल बनाए जाएंगे। वर्ष 2023 चुनाव के लिहाज से सत्तारूढ़ भाजपा के लिए खासा अहम है। पार्टी शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कमर कसेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले निकाय चुनाव को लिटमस टेस्ट के तौर पर देखा जाता रहा है। मीडिया प्रभारी चौहान के मुताबिक, पार्टी निकाय चुनाव में पूरी तरह से जुट जाएगी। सांगठनिक विस्तार के साथ ही पार्टी का नए साल में गांवों और बूथों में प्रवास पर जोर रहेगा। पार्टी अपने सांसदों, विधायकों, पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को प्रवास पर भेजेगी। इसके लिए बाकायदा एक रोड मैप तैयार किया जाएगा।

प्रदेश सरकार में पार्टी कार्यकर्ताओं को दायित्व बांटे जाने का सिलसिला नए साल के पहले महीने यानी जनवरी से ही शुरू हो जाएगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व पर या उसके बाद पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं की दायित्व की मुराद पूरी हो सकती है।

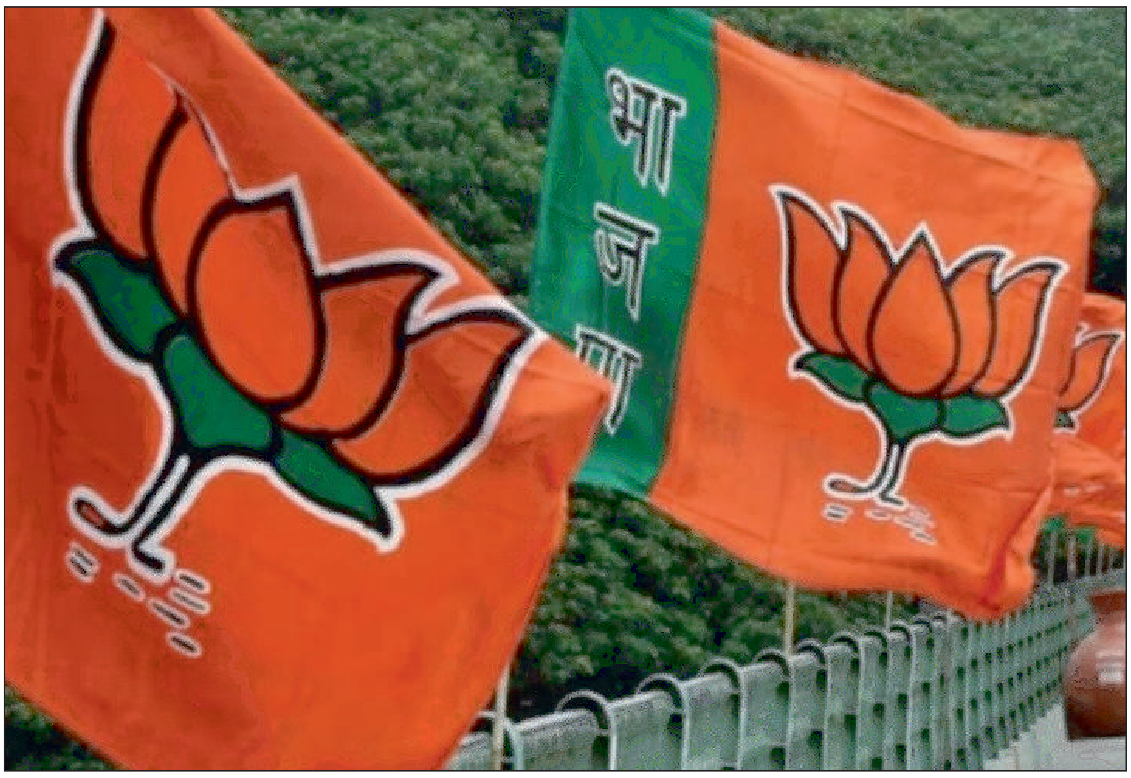

बर्फबारी का इंतजार करते-करते विदा हो गया साल 2022, नया साल मनाने पर्यटक हुए निराश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बर्फबारी का इंतजार करते करते साल 2022 विदा हो गया। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह में चकराता और आसपास की ऊंची पहाड़ी में बर्फबारी हुई थी। जिसके चलते क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने पहुंचे पर्यटकों ने बर्फबारी का लुफ्त उठाया था।

लगातार पांच दिनों तक बादल छाए रहने से सभी को बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन शनिवार को चकराता क्षेत्र में चटक धूप खिली। आसमान में बादल न होने के कारण बर्फबारी की उम्मीद भी धूमिल हो गई। धूप खिलने से तापमान में एक डिग्री की वृद्धि हुई। दोपहर बाद क्षेत्र फिर से शीतलहर की चपेट में आ गया।

चकराता का न्यूनतम तापमान -2 डिग्री और अधिकतम 12 डिग्री दर्ज किया गया। शाम ढलते ही बाजारों से रौनक गायब हो गई। पर्यटक भी अपने अपने होटलों और रिजॉर्ट तक सिमट कर रह गए। ठंड से बचने के लिए होटल व्यवसायियों द्वारा पर्यटकों के अलाव की व्यवस्था की गई है।

उधर, पछवादून क्षेत्र में भी दिनभर धूप खिली रही। सर्द हवाएं चलने के चलते लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा। शाम ढलते ही लोग घरों में दुपक गए। बाजारों में भी कम लोग दिखाई दिए। विकासनगर का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री और अधिकतम 18 डिग्री दर्ज किया गया।